राजस्थानी सेवा संघ-मुम्बई द्वारा महाराष्ट्र के शिक्षाविदों का सम्मान समारोह

झुंझुनू, 6 जनवरीः विधानसभाध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा सिंह की अध्यक्षता में राजस्थानी सेवा संघ–मुम्बई द्वारा यहां खेमी शक्ति मंदिर में शनिवार को देर शाम आयोजित एक भव्य समारोह में महाराष्ट्र से आये शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती सिंह ने विद्या दान को जीवन दान के बाद दूसरे महत्वपूर्ण दान के रूप में रेखांकित करते हुये कहा कि जो भी राष्ट्र आगे बढ़े हैं वे शिक्षा के बल पर ही बढ़े हैं। ऐसे में शिक्षा के महत्व को ध्यान में रखकर राजस्थानी सेवा संघ ने शिक्षाविदों का सम्मान समारोह आयोजित कर वास्तव में एक अच्छा कार्य किया है। संघ द्वारा जिले के चुड़ैला गांव में विश्वविद्यालय स्थापित करने की भी उन्होंने सराहना की और आशा जताई कि महाराष्ट्र के ख्याति प्राप्त शिक्षाविदों के मार्ग दर्शन में यह प्रस्तावित विश्वविद्यालय शेखावाटी क्षेत्र में शिक्षा के नये आयाम स्थापित करेगा। डॉ. डी. वाई. पाटिल प्रतिष्ठान–पुणे के कुलपति डॉ.पी.डी. पाटील ने अपने सम्बोधन में राजस्थानी सेवा संघ के साथ मिलकर इस प्रस्तावित विश्वविद्यालय के लिए हर तरह के सहयोग का विश्वास दिलाया। पूर्व राज्यपाल नवरंग लाल टीबड़ेवाल ने कहा कि ज्ञान की व्यापकता का अन्दाज हम आज के परिवेश को देखकर लगा सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि चुड़ैला का प्रस्तावित विश्वविद्यालय ज्ञान की इस व्यापकता को अपने शैक्षिक दायरे में शामिल कर यहां के विद्यार्थियों को लाभान्वित करेगा। राजस्थानी सेवा संघ के अध्यक्ष विनोद टीबड़ेवाल ने प्रारम्भ में महाराष्ट्र के शिक्षाविदों को सम्मानित किया। डॉ. पी.डी. पाटील का सम्मान विधानसभाध्यक्ष ने किया। अन्य जिन शिक्षाविदों को सम्मानित किया गया उनके नाम हैं–डॉ. तुषार जे. पालेकर, डॉ. राकेश कुमार जैन, डॉ. दिगम्बर लक्ष्मण इंगोले, प्रो. डी.आर. करनूरे, डॉ. के.बी. पोवार, प्रो. के. निर्मला तथा प्रो. वी.एस. आनन्द। इनके अलावा राजस्थानी सेवा संघ के पदाधिकारियों और स्थानीय लोगों को भी सम्मानित किया गया जिनमें समाजसेवी ताराचन्द भोड़कीवाला, आत्माराम टीबड़ेवाल, एड़वोकेट भगवान सिंह, एडवोकेट बिरजू सिंह शेखावत, सरपंच दिलीप कृष्णिया, चुड़ैला सरपंच अनीता देवी, सिंघानिया विश्वविद्यालय–पचेरी के रजिस्ट्रार डॉ. आर.के. जैन व कुलपति अश्विनी शर्मा, केशर देव तुलस्यान भी शमिल थे। पत्रकार वार्ताः इससे पूर्व पत्रकारों से वार्ता करते हुए डॉ. पी.डी. पाटील ने चुड़ैला के विश्वविद्यालय के साथ जिले में मेडिकल कालेज व नौ सौ बैड का अस्पताल खोलने की संभावनाओं पर अपना सकारात्मक रूख प्रदर्शित किया। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार से समुचित सहयोग भी अपेक्षित है। विनोद टीबड़ेवाल ने इस अवसर पर झुंझुनू हवाई पट्टी को लीज पर लेकर पायलेट प्रशिक्षण केन्द्र खोलने के अपने प्रस्ताव से अवगत कराया।

फोटो : रामनिवास सोनी

राणी सती मंदिर में योग शिविर

माई झु.न्यूज। भारतीय योग एंव प्राकृतिक चिकित्सा संस्थान जीवन विहार आश्रम चौमूं के तत्वाधान में डॉ.योगी जीवननाथ महाराज के सानिध्य में हर माह के प्रथम सप्ताह में लगने वाले राणी सती मंदिर में सात दिवसीय निशुल्क जीवन योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा शिविर डॉ. राकेश शर्मा ने कहा कि 24 घंटे में मात्र 24 मिनट भी स्वास्थ्य के लिए खर्च करे तो हमेशा स्वस्थ रहा जा सकता है। शिविर में मिट्टी चिकित्सा, कटिस्नान, भाप स्नान, पारस्नान, यौगिक मालिश, वेक्स बाथ, एक्यूप्रेशर, गठिया, कमर दर्द, घुटनों का दर्द आदि रोगों का इलाज किया जा रहा है। शिविर में संयोजक पवन केजड़ीवाल ने बताया कि प्रत्येक माह की दो से आठ तारीख तक लगाया जाने वाले शिविर में हर बार काफी संख्या में रोगी लाभ उठाते हैं।

वशिष्ठ का ब्राह्मण महासभा की और से अभिनन्दन

माई झु.न्यूज। झुंझुनूं ब्राह्मण महासभा की और से जिलाध्यक्ष डॉ. दयाशंकर बावलिया के नेतृत्व में झुंझुनूं पुरोहित गेस्ट हाउस में राजस्थान गौड़ ब्राह्मण महासभा के प्रदेश महामंत्री श्याम सुन्दर वशिष्ठ कर सम्मान अभिनन्दन किया। वशिष्ठ ने अपने उद्बोधन में युवाओं को शिक्षा प्राप्त कर समाज को आगे ले जाने का आह्वान किया। इस अवसर पर उमाशंकर महमियां, भवानी शंकर पुरोहित, आनन्द पुजारी, मनोह व्यास एवं एडवोकेट प्रदीप पंडित सहित अन्यजन उपस्थित थे।

हैदराबाद के सुप्रसिद्ध उद्योगपति एवं कर्मठ समाजसेवी कान्तीलालजी सौंथलिया बड़ेगांववाले एवं श्रीमती सीतादेवी सौंथलिया के विवाह वर्षगांठ की स्वर्ण जयन्ती 19-12-2007 को हैदराबाद में अत्यन्त उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने सौंथलिया दम्पत्ति को बधाई दी। विदित है कि कान्तीलालजी स्व. श्री गुलाबरायजी सौंथलिया के द्वितीय सुपुत्र है।

अपर सचिव न्याय राजीव अग्रवाल का भाव भीना अभिनन्दन

माई झु. न्यूज। झुंझुनूं में चल रहे अश्वमेघ यज्ञ में भाग लेने आये अपर सचिव न्याय राजीव अग्रवाल का माई झुंझुनूं डॉट कॉम की ओर से वैबसाईट के सलाहकार पी एल हलवाई के निवास पर भावभीना स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया।

पी एल हलवाई एवं डी एन तुलस्यान ने अपर सचिव अग्रवाल का माल्यार्पण कर स्वागत किया। समाचार पत्र की प्रति भेंट की एवं इसके बारे में जानकारी पर अग्रवाल ने खुशी प्रकट कर वैबसाईट एंव समाचार पत्र की सराहना की। अग्रवाल यज्ञ में भाग लेने अपनी धर्मपत्नी के साथ झुंझुनूं आये थे। उनके साथ पूना के विजय मित्तल भी साथ आये थे।

हैलिना कौशिक कॉलेज में सेमीनार सम्पन्न

माई झु.न्यूज। हैलिना कौशिक महिला महाविद्यालय में एक दिवसीय महिला शिक्षा एवं सामाजिक प्रगति विषय पर हुई समीनार सम्पन्न हुई। कहा कि ग्रामीण क्षेत्र महिलाओं को उच्च शिक्षा में भी महत्त्वपूर्ण स्थान देना चाहिए ताकि उनमें शिक्षा का स्तर सुधरसके। उन्होंने कहा कि देश शिक्षा के क्षेत्र में काफी प्रगति कर रहा है। इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। एयरोस्पेश इंजीनियर आर्थर सेमवर्ग ने कहा कि प्रत्येक महिला को अपना ध्येय बनाकर कार्य करना चाहिए। तभी वह सपनों को साकार कर सकती है।

माई झु.न्यूज। गीता भवन महिला मण्डल, जे वी नगर मुम्बई के रजत जयन्ती समारोह पर श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर जे बी नगर में माताजी की चौकी का आयोजन किया गया। संचालिका शशि कुकरेजा व संजय कुकरेजा का इस अवसर पर विशेष अभिनन्दन किया गया। राजेन्द्र नांगलिया ने रजत जयन्ती समारोह व 25 वर्षों की अविस्मरणीय यात्रा के बारे में बताया।

माघ मास में करने योग्य व्रतादि

पं. महावर प्रसाद शर्मा

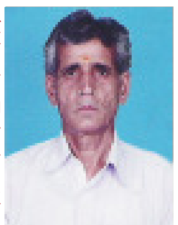

माघ, कार्तिक और वैशाख महा पुनीत महीने माने जाते हैं। इनमें तीर्थ स्नानादि पर या स्वदेश में रहकर नित्यप्रति स्नान- दानादि में अनन्त फल होता है। स्नान सूर्योदय के समय श्रेष्ठ हैं। स्नान के लिये काशी और प्रयाग उत्तम माने गये हैं। वहां न जा सके तो जहां भी स्नान करें, वहीं उनका स्मरण करलें अथवा पुष्करादीनि तीर्थानि गंगाद्याः सरितस्तथा। आगच्छन्तु पवित्राणि स्नान काले सदा मम। यह माघ स्नान की अवधि या तो पौष शुक्ला एकादशी से माघ शुक्ला एकादशी तक अथवा मकर राशि पर सूर्य आये उस दिन से कुम्भ राशि पर जाने तक नित्य स्नान करें। उसके अनन्तर यथावकाश मौन रहें। भगवान का भजन या यजन करें। ब्राह्मणों को बिना रोक नित्य भोजन करावें। कम्बल, मृगचर्म, कपड़े, जूते, धोती और गमछा आदि दे। तीस द्विज दम्पत्ती के जोड़े को भोजन करवाकर सूर्यो में प्रीयतां देवो विष्णु मूर्ति निरंजनः से सूर्य की प्रार्थना करें। इस प्रकार माघ स्नान से अश्वमेघादि के समान फल होता है।

1. माघ मास के कृष्णपक्ष की एकादशी षट्तिला एकादशी के नाम से जानी जाती है। इस दिन से छः प्रकार से तिलों का व्यवहार किया जाता है। तिल स्नायी तिलोद्वर्ती तिल होमी तिलोदकी
तिल भुक् तिलदाता च षट् तिलाः पापनाशनाः॥

2. मौनी अमावस्या माघ मास की अमावस्या की मौनी अमावस्या के रूप में प्रसिद्ध है। मौनी अमावस्या को नित्य कर्म से निवृत होकर स्नान करके तिल तिल के लड्डु, तिल का तेल, आंवला वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। इस दिन गरीबों को सेवन के लिये ईधन कम्बल आदि का दान करना चाहिए। इस बार मौनी अमावस्या को श्रवण नक्षत्र एवं व्यतीपात योग महापुण्यप्रद पर्व पड़ रहा है। गुड़ के काले तिल के लड्डु लाल वस्त्र में बांधकर ब्राह्मणों को देना चाहिए।

3. विद्या की अधिष्ठाती देवी सरस्वती का पूजन महोत्सव वसन्त पंचमी माघ शुक्ला पूर्व विद्धा पंचमी को उत्तम वेदी पर गणेश जी एवं वसन्त जौ, गेहूं की बाल का पूंज जो जलपूर्ण कलश में डंठल सहित रखकर बनाया जाता है। इसी चौकी पर कामदेव एवं रति की पंचोपचार, पुष्प धूप दीप नैवेद्यादि से पूजा करने से दाम्पत्य जीवन सुखी रहता है। यही कौमुदिकी महोत्सव है। साथ ही विद्या की अधिष्ठात्री देवी सरस्वती की पूजा भी बच्चों को विद्या प्रदान करने में सहायक होगी। रति कामदेव की पूजा में इस प्रकार से बोले- शुभा रतिः प्रकर्तव्या वसन्तोज्ज्वल भूषणा। नृत्यमाना शुभा देवी समस्ताभरणैर्युता। से रति का और-
कामदेवस्तु कर्त्तव्यो रूपेणा प्रतिमो भुवि।
अष्टबाहु:स कर्त्तव्यः शंख पद्म विभूषणः॥
मंत्र से कामदेव का विविध प्रकार के फल पुष्पादि से पूजन करने से गार्हस्थ्य जीवन सुखी होकर प्रत्येक कार्य में उत्साह प्राप्त होता है।

4. **पुत्र सप्तमी**- माघ शुक्ल षष्ठी को उपवास करके सप्तमी के प्रात:काल में स्नान कर सूर्य नारायण का पूजन एवं तन्निमित्त हवन करके दूध दही भात या खीर का ब्राह्मणों को भोजन करावें। इससे उत्तम पुत्र की प्राप्ति होती है।

5. **दिनत्रय व्रत**- जो माघ स्नान तीस दिन तक नहीं कर सकें वे माघ शुक्ल त्रयोदशी से माघी पूर्णिमा तक अरूणोदय से स्नानादि करके व्रत करें और यथानियम दान-पुण्य करें तो सम्पूर्ण माघ स्नान का फल मिलता है।

पंडित महावीर प्रसाद पारीक,
शास्त्री एम ए, संस्कृत
बीदासर- बिसाऊ
मोबाईल- 9460513758

हार्दिक श्रृद्धांजलि

- **श्री बनवारीलाल जालान सुपुत्र स्व. श्री घासीराम जी जालान छावनी बाजार झुंझुनूं** पूण्य तिथि 8 जनवरी 2008 मंगलवार श्री महेश कुमार, सुरेश कुमार, नरेश कुमार, दिनेश कुमार एवं कृष्ण कुमार जालान के पिताश्री
- **श्री सुशील कुमार पुत्र स्वर्गीय श्री गौरी शंकर जी पंसारी झुंझुनूं पुण्य तिथि** दिनांक 17 जनवरी 2008

जो हमसे बिछुड़ गये है हम उनके प्रति शोक प्रकट करते है एवं परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करते है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति एवं सदगति प्रदान करें एवं शोक संतप्त परिवारों को यह आघात सहन करने की शक्ति दें। **-माई झुंझुनूं डॉट कॉम**

कर्म को ही पूजा मानने वाले स्व. श्री मनोहरलालजी गोयनका को भावभीनी श्रृद्धांजलि

स्व. श्री मनोहरलाल गोयनका का जन्म सीकर जिले के लक्ष्मणगढ कस्बे में प्रतिष्ठित परिवार के श्री रामवल्लभ जी गोयनका के 30 मार्च 1931 को हुआ। 7 भाई एवं 4 बहिनों के बीच भाईयों में सबसे बड़े होने के नाते हमेशा ही परिवार में सदैव सभी के लिए आप छत्र-छाया के रूप में रहे। अपने पिता रामवल्लभ जी के स्वर्गवास के उपरान्त इस जिम्मेवारी को आपने परिवारपालक के रूप में सभी के प्रति एक जबाब देही मानते हुए पूर्ण कर्तव्य निष्ठा से निभाया। बचपन से ही आपमें गरीबों के प्रति संवेदनशीलता, गायों के प्रति स्नेह, अपनों के प्रति आत्मीयता एवं धर्म में आस्था के साथ साथ ईश्वरीय भक्ति को सदैव पूजनीय, वन्दनीय मानते हुए अपनी विलक्षण प्रतिभा आत्मविश्वास के साथ जीवन को जीवन्त रूप से भोगते हुए आपने अंतिम श्वांस रविवार 6 जनवरी को भीलवाड़ा में अपने निज निवास तृप्ति सदन में सांयकाल 7.15 बजे लेकर अपने भरे पूरे परिवार से विदा ली। 7 जनवरी सोमवार को निज निवास बी-319 आर के कोलोनी से निकली अंतिम यात्रा में पूरा परिवार, बन्धु-बान्धव, नाते-रिश्तेदार एवं भीलवाड़ा के गणमान्यजन सम्मिलित हुए।

आपने अपना व्यवसाय गुजरात एवं राजस्थान में ओवर हैड टेन्क्स निर्माण से शुरू किया जिसका मुख्य कार्यालय गुजरात में पालनपुर रहा। गैनन डन्करली एण्ड कम्पनी में आपने परचेज आफिसर पद पर ईमानदारी से एंव सराहनीय सेवाएं प्रदान की। आप अपनी निष्ठापूर्ण एवं समर्पित सेवाओं के कारण सर्वोच्चय प्रबन्धन मे प्रतिष्ठित हुए। इस दौरान आप देहली करोल बाग रहने लगे। आपका शुभ विवाह श्रीमती तृप्ति देवी सुपुत्री भजनलाल जी चूड़ीवाला लक्ष्मणगढ निवासी के साथ हुआ। आपके दो सुपुत्र राम लक्ष्मण जैसे आज्ञाकारी सुशील कुमार एवं कृष्ण कुमार तथा तीन पुत्रियां मंजू, उषा एवं सुनिता ने आपके जीवन की बगीया को महकाया। आपके बड़े पुत्र सुशील कुमार का शुभ विवाह सीकर के श्री भगवानदासजी लोहिया की सुपुत्री श्रीमती शशी से हुआ जिनसे पौत्र अंकित एवं पोत्री पलक हैं। तथा छोटे पुत्र कृष्ण कुमार का विवाह झुंझुनूं के श्री केशरदेव जी तुलस्यान की सुपुत्री श्रीमती मधु के साथ हुआ जिनसे आपके पोत्र माधव एवं पौत्री तनीषा तथा सौम्या हैं। आपकी बड़ी पुत्री मंजू - श्री जुगल किशोर जी बागड़ोदिया, उषा देवी- श्री पवन जी गनेरीवाल तथा छोटी पुत्री सुमिता -श्री विनय कुमार जी महरिया के साथ अपने अपने परिवार में आपके दुहतों एवं दुहतियों के साथ अपना सुखमय जीवन व्यतीत कर रही हैं। आपकी बड़ी बहन परमेश्वरी देवी देवड़ा अपने सुपुत्र देवकीनन्दन देवड़ा के साथ मुम्बई में रहती हैं तथा तीनों बहनों श्रीमती केशरी देवी, नारदेवी तथा शरबती देवी एंव आपके छोटे भाई मदनलाल गोयनका का स्वर्गवास आपके जीवन काल में ही हो गया था।

आपको इस बात का सन्तोष रहा कि आपके पांच छोटे भाई श्री प्रहलादराय जी-श्रीमती रूकमणी देवी, श्री छगनलालजी- श्रीमती विमला देवी, श्री महावीर प्रसाद जी- श्रीमती मधु देवी, श्री प्रभुदयालजी- श्रीमती मैना देवी, श्री कैलाशचन्द्र जी- श्रीमती कान्ता देवी सभी सपरिवार अपने अपने व्यापार व्यवसाय में आपके परिवार के नाम एवं कीर्ति को बढाते हुए अपना गृहस्थ जीवन आनन्द एंव सुख के साथ व्यतीत कर रहे हैं।

आपके प्रेम पूर्ण व्यवहार, स्नेह एवं आत्मीयता की आज वे सभी मिसाल देते हैं जो आपके जीवन में आपके सानिध्य में आये, जो भी आपसे मिला आपका होकर रह गया। हम-उम्र के साथ मजाकिया, बड़ों के साथ आदरणीय एवं छोटों के साथ स्नेहमयी व्यवहार आपका सिद्धान्त था। आपने अपने जीवन काल में समय समय पर गौमाता की जो सेवा की वह अनुकरणीय है। जहां से भी आपसे बन पड़ता चाहे गौशाला हो या सार्वजनिक स्थान वहीं आपने गौओं के लिए अनगिनत चारे की व्यवस्था करवाई, गौशालाओं को समय समय पर अनुदान दिया तथा भीलवाड़ा निज निवास पर तो रोज सुबह 30-40 गायों को अपने हाथ से गुड़- रोटी खिलाना, चिड़ियों को बुन्दी, कुत्तों को लड्डु व कोओं को भुजिया व मीठी बुन्दी देना रोज का आपका क्रम था।

पशुओं के प्रति अगाध प्रेम का ही परिणाम था कि 6 जनवरी को आपके स्वर्गवास के पश्चात वही गौमाताए जो कि सदैव सुबह आती थी रातको एक साथ 9 बजे घर के बाहर आकर एकदम शान्त एवं मौन खड़ी हो गयी और कुछ समय पश्चात चली गयी मानो स्व. मनोहरलालजी को अपनी अंतिम विदाई श्रृद्धांजलि देने आई थी। यह था आपका भावनात्मक लगाव। आपकी प्रेरणा से 1987 में शुरू किए गये सीन्थेटिक कपड़े के निर्माण कार्य मे आपके दोनों सुपुत्रों सुशील कुमार एवं कृष्ण कुमार एवं बड़े दामाद श्री जुगल किशोर जी बागड़ोदिया ने आज भीलवाड़ा में प्रतिष्ठा एंव ख्याति प्राप्त की है जिसमें यार्न का व्यापार, फायनेन्स एवं कपड़े का निर्माण का कार्य विभिन्न नामों यथा मंगलम फैब्रिक्स, मंगल यार्न, सुमंगल सुटिंग इत्यादि हैं।

आपकी धर्म में अगाध आस्था रही। आप रामायण महाभारत इत्यादि के ज्ञाता थे। प्रत्येक जीवन की सच्चाई को रामायण की चौपाई एवं विभिन्न द्रष्टांतों के माध्यम से किसी को समझाना आपका स्वभाव था। जन्मपत्री देखने में आपको महारथ हासिल थी, किसी को भी उसके भूत भविष्य के बारे में बता देना आपके लिए आम बात थी। आपको अपनी मृत्यु से पूर्व मृत्यु का आभास हो गया था जिसका आभास आपने वर्षों से आपके सानिध्य में आपके धार्मिक पूजा पाठ के कार्यों में साथ देने वाले अमेठी के पूजनीय पण्डितजी को करा दिया था।

सालासर बालाजी के परम भक्त, विभिन्न अवसरों पर सालासर आकर सवामणी, ब्रह्मपुरी प्रसाद कराने वाले, खाटू वाले श्याम बाबा, श्री राणी सती दादी को मानने वाले गोयनकाजी ने भीलवाड़ा में अपनी दोनों कपड़े की फैक्ट्रियों में नवदूर्गा एंव बालाजी के मंदिर बनाये जहां वे हर वर्ष नवरात्र एवं अन्य अवसरों पर विधि विधान के साथ पूजा पाठ एवं अन्य धार्मिक आयोजन करवाते रहते थे।

ऐसे विराट व्यक्तित्व के धनी, कर्मयोगी स्व. मनोहरलाल जी गोयनका को हम हमारा नमन व वन्दन करते हैं तथा अपनी भावभीनी श्रृद्धांजलि अर्पित करते हैं।

- देवकी नन्दन तुलस्यान,
झुंझुनूं मोबाइल 94140 80128
श्री कृष्ण कुमार जी गोयनका की धर्मपत्नि श्रीमती मधु के बडे भ्राता

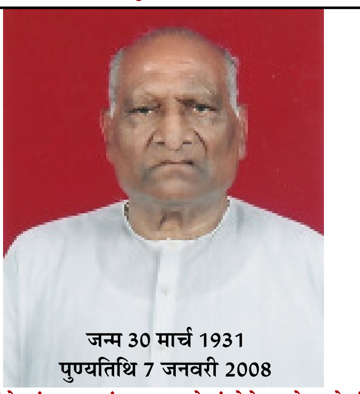

जन्म 30 मार्च 1931
पुण्यतिथि 7 जनवरी 2008

पूर्वजों के संस्कार एवं परम्परा को संजोये रखने वाले, मिलनसार, मृदुभाषी एवं सरल व्यक्तित्व के धनी, धर्म के प्रति गहरी आस्था, जन्म स्थली के प्रति विशिष्ट लगाव, सरल स्वभाव, धैर्य, क्षमता, दृढ़ निश्चय, सामाजिक क्षेत्र में संयुक्त परिवार व्यवस्था के पक्षधर, भारतीय संस्कृति एवं मानवीय मूल्यों को जीवित रखने की व्यवस्था में सहयोग की नीति, समाज के प्रति अटूट समर्पण भाव, मनुष्य कर्म को ईश्वरीय कृपा मानने वाले, उच्च आदर्शों के प्रतिमान, गम्भीर व्यक्तित्व, सत्यनिष्ठ, अनुशासन प्रिय, मित व्ययी एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहकर कार्य को पूजा मानने वाले, भारतीय संस्कारों के चिर पक्षधर, उदारमना एवं परोपकारी श्री मनोहरलालजी गोयनका को शत शत नमन के साथ हार्दिक श्रद्धांजलि-
- मंगलम फैब्रिक्स, सुमंगलम सुटिंग्स प्रा. लि. एवं मंगलम यार्न एजेन्सीज
भीलवाड़ा (राज.) फोन नम्बर- 01482-231310, 232270
मोबाईल- 98290 51900, 98292 44334